



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2011

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

70 marks

These marking guidelines were used as the basis for the official IEB marking session. They were prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom were required to attend a rigorous standardisation meeting to ensure that the guidelines were consistently and fairly interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

At standardisation meetings, decisions are taken regarding the allocation of marks in the interests of fairness to all candidates in the context of an entirely summative assessment.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines, and different interpretations of the application thereof. Hence, the specific mark allocations have been omitted.

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

अर्जुन की ललकार

जब भीष्म पितामह युद्ध से हट गए तब दुर्योधन हाथ में धनुष लेकर सिंह के समान गरजता हुआ अर्जुन के सामने आया। अर्जुन की ओर देखते हुए कान तक धनुष तान कर उसने एक बाण उसके माथे पर मारा। अर्जुन उस बाण के लगने से अधीर हो उठे। तब ये गाण्डीव धनुष पर बाण बाण बढ़ाकर दुर्योधन भी उन पर लगातार बाण बरसाने लगा।

जिस समय अर्जुन और दुर्योधन से इस प्रकार युद्ध हो रहा था उसी समय विकर्ण नाम का एक दूसरा योद्धा अर्जुन की ओर बढ़ा। वह पहाड़ के समान ऊँचे एक मस्त हाथी पर सवार था। अर्जुन ने उस हाथी के मस्तक को देखकर कान तक धनुष की डोरी खींची और एक बाण चलाया। वह बाण उस हाथी के मस्तक को फाड़कर पृथ्वी में घुस गया। वह हाथी दर्द से कराहते हुए उसी समय पृथ्वी पर गिर पड़ा और मर गया। यह देखकर विकर्ण बहुत ही डरा। वह हाथी की पीठ पर से कूदकर तेजी से भागने लगा।

फिर अर्जुन ने वैसा ही एक बाण मारकर दुर्योधन की छाती में घाव कर दिया। अब वे अन्य याद्व्याओं पर लगातार बाण बरसाने लगे। दुर्योधन घबरा गया। और उस स्थान से भागने लगा। उस भयंकर वेष वाले घायल रक्त से भीगे दुर्योधन को युद्ध भूमि से भागते हुए देखकर अर्जुन ने धिक्कार कर कहा। “दुर्योधन! तू युद्ध भूमि से भागकर अपनी भारी कीर्ति का मिट्टी में मिला रहा है। हे कायर! पहले की सब बातें याद कर और मेरे सामने लौट कर आ”

- १.१. जब भीष्म पितामह युद्ध से हट गए तब क्या हुआ ? २
तब दुर्योधन हाथ में धनुष लेकर सिंह के समान गरजता हुआ अर्जुन के सामने आया
- १.२. अर्जुन ने क्या किया ? २
तब ये गाण्डीव धनुष पर बाण बाण बढ़ाकर दुर्योधन भी उन पर लगातार बाण बरसाने लगा
- १.३. विकर्ण कौन थे और उसने क्या किया? ३

विकर्ण नाम का एक दूसरा योद्धा अर्जुन की ओर बढ़ा। वह पहाड़ के समान ऊँचे एक मस्त हाथी पर सवार था

१.४. हाथी को किसने मारा और क्यों ? ४

अर्जुन ने उस हाथी के मस्तक को देखकर कान तक धनुष की डोरी खींची और एक बाण चलाया। वह बाण उस हाथी के मस्तक को फाड़कर पृथ्वी में घुस गया

१.५. “कीर्ति को मिटटी में मिला रहा है” - अपने शब्दों हिन्दी में समझाई। ४
जो अपने यश को जमीन में मिलाते हैं।

१.६ “अर्जुन की ललकार” का अर्थ क्या है ? ४

इस का अर्थ है की किसी ने अर्जुन को संघर्ष के लिए बुलाया। यह संघर्ष को स्वीकार करना।

१.७. हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

१.१. “पहाड़ के समान”। २ वह विशाल पर्वत की तरह है

१.२. “घायल, रक्त से भीगे”। २ छोट से बहुत खून बह रहे हैं।

१.३. “फाड़कर पृथ्वी में घुस गया”। २ धरती में छेद हो गया और वह उस में गिर गया

२. इस कहानी से हम क्या शिक्षा मिलते हैं। ५

अगर आप निर्भय हैं तो सफलता मिल सकते हैं। लक्ष्य को सामने रखते आगे बढ़ना चाहिए। हमेशा मन को काबू में रखना।

{३०}

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए (१०)

तुलसी अक्सर सभी हिंदुओं के घरों में लगायी जाती है। धार्मिक दृष्टि से तुलसी का पौधा बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वास्थ्य रक्षा में भी तुलसी का बहुत बड़ा सहारा है। आज के जमाने में जहां फैशन के लिए मनीप्लांट आदि का बेल पौधे लगाये जाते हैं, वहीं केवल गमलों की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी तुलसी का पौधा लगाया जाए, तो कई परेशानियां अपने आप, तुलसी के पौधे की गंधसे ही दूर हो जाएंगी।

आयुर्वेद शिरोमणि महर्षि शरंगधर का मत है कि तुलसी के पत्तों का रस एक से दो तोला लेकर , उसमें डेढ़ माशे से तीन माशे तक काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर पीले से मलेरिया में आशातीत लाभ होता है । पत्ते चबाने या चाय में उबालकर पीने से छाती में सरदी नहीं लगती , और उतरी हुई सरदी कफ के द्वारा बाहर निकल जाती है । जिससे छाती का दर्द दूर होता है । अगर कफ बढ़ा हुआ हो , तो तुलसी का रस शहद में देने से लाभ होता है । जिस भी बुखार के साथ जोड़ों में सूजन तथा दर्द हो , तो तुलसी की जड़ों का काढ़ा फांट बनाकर देने से बुखार उतरता है तथा जोड़ों का दर्द दूर होता है । यदि बुखार कई दिन से लगातार चल रहा हो , तो तुलसी के पत्तों का रस सारे शरीर पर मलने से बुखार में शांति मिलती है । बंगाल के प्रबुद्ध भारत पत्र ने अक्तूबर , १९२३ के अंक में एक सर्प दंश (सांप काटे) की घटना प्रकाशित की थी कि एक व्यक्ति को सांप ने काट लिया था , उसका तुरंत तुलसी का रस निकालकर दिया ,उसके माथे पर लगाया तथा केला के पेड़ के रेशा से रस निकालकर आधा औंस पिलाया । छह घंटे के उपचार के बाद उस रोगी को होश आ गया । तुलसी का पौधा घर में होना चाहिए । केवल फैशन के लिए भी लगाया जाए , तो भी समय पर यह आपका साथ देगा ।

तुलसी सभी हिंदुओंके घरों में लगायी जाती है । धार्मिक दृष्टि से और स्वास्थ्य रक्षा में भी तुलसी का बहुत बड़ा सहारा है । आज के जमाने में वहीं केवल गमलों की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी तुलसी का पौधा लगाया जाए , तो कई परेशानियां अपने आप , तुलसी के पौधे की गंधसे ही दूर हो जाएंगी । आयुर्वेद शिरोमणि महर्षि शरंगधर का मत है कि तुलसी के पत्तों का रस एक से दो तोला लेकर , उसमें डेढ़ माशे से तीन माशे तक काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर पीले से मलेरिया में आशातीत लाभ होता है । पत्ते चबाने या चाय में उबालकर पीने से छाती में सरदी नहीं लगती । अगर कफ बढ़ा हुआ हो , तो तुलसी का रस शहद में देने से लाभ होता है । जिस भी बुखार के साथ जोड़ों में सूजन तथा दर्द हो , तो तुलसी की जड़ों का काढ़ा फांट बनाकर देने से बुखार उतरता है । यदि बुखार कई दिन से लगातार चल रहा हो , तो तुलसी के पत्तों का रस सारे शरीर पर मलने से बुखार में शांति मिलती है । बंगाल के प्रबुद्ध भारत पत्र ने अक्तूबर , १९२३ के अंक में एक सर्प दंश (सांप काटे) की घटना प्रकाशित की थी कि एक व्यक्ति को सांप ने काट लिया था , उसका तुरंत तुलसी का रस निकालकर दिया ,उसके माथे पर लगाया तथा केला के पेड़ के रेशा से रस निकालकर आधा औंस पिलाया । छह घंटे के उपचार के बाद उस रोगी को होश आ गया ।

MEMORANDUM

प्रश्न ३

३.१. निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए । (१८)

हर गृहणी की पहली पसन्द

टुडे
प्रीमियम चाय

जीतो डायमंड लाकेट

और लाखों अन्य इनाम

Today Premium TEA
REFRESHING TASTE

हर चुस्की में दम

SHARAD

Today Tea Limited
An ISO 22000:2005 Certified Company
406-42, ROOTS TOWER, DISTRICT CENTRE,
LAXMI NAGAR, DELHI 110092
Email: todaytea@yandex.co.in Website: www.todaytea.com

* 3 1/2 GOLD & 2 SILVER MARKS - THIS SCHEME IS APPLICABLE ON TODAY PREMIUM 25g POUCH ONLY
SCHEME VALID TILL STOCK LAST - NORMAL PACK ALSO AVAILABLE. TSD IS A SALES PROMOTIONAL SCHEME

३.१.१. यह किस वस्तु का विज्ञापन है ? १

यह चाय का विज्ञापन है ।

३.१.२. “हर गृहणी की पहली पसन्द” :

३.१.२.१. “गृहणी” शब्द क्यों प्रयोग किया गया है ? २

गृहणी यानी घरवाली चाय अपनी परिवार के लिए चुनती है ।

३.१.२.२. ये क्यों बड़े अक्षरों में है ? २

क्यों कि लोग इसको देख कर समझ आएँगे कि यह एक खास वस्तु है ।

३.१.३. डायमंड लाकेट ... यह शब्दों क्यों प्रयोग किया गया है ? ४

यह लोगो को बताते है कि वे डायमंड लाकेट जीत सकते है ।

अगर वह चाय खरीदेंगे तो वह प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं ।

३.१.४. स्त्रियों का चित्र क्यों प्रयोग किया गया है ? ३

यह विज्ञापन घरवाली के लिए है । इसलिए विज्ञापन में वे स्त्रियों का चित्र प्रयोग करते है ।

३.१.५. तीन भावात्मक शब्द विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनके भावना भी बताई ?

६ दम शक्ति का भावना

जीतो सुख का भावना

पहली पसन्द प्यार का भावना

३.२. निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए । (१२)



- ३.२.१. इस चित्र को उचित शीर्षक दीजिए । २
तलाक विवाद का नशा
- ३.२.२. चित्र को देखकर आप क्या सोचते हैं निम्नलिखित शब्द के अनुसार लिखिए
- ३.२.२.१. भावना : २ क्रोध घृणा
- ३.२.२.२. घटना : २ पुरुष और स्त्रि में विवाद
- ३.२.३. यह लोग कौन हो सकते हैं । उत्तर का कारण दीजिए २ पति और पत्नी औरत के गले में मंगलसूत्र हैं ।
- ३.२.४. निम्नलिखित प्रश्नों चित्र के अनुसार उत्तर का कारण दीजिए ।
- ३.२.४.१. इन लोग के बीच क्या हो रहे हैं ? २ शायद वे एक दूसरे से किसी कारण पर विवाद हो रही है
- ३.२.४.२. स्त्रि क्या कर रही है ? २ स्त्रि उंगली उठा कर आँखें निकाल कर क्रोधित हो रही है ।

Total: 70 marks